संस्थान में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया गया

रजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान, सेक्टर 31, चंडीगढ़ में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस अत्यंत उल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान के द्वारा यह संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा निर्धारित वर्ष 2022 के लिए ऑटिज्म जागरूकता दिवसोत्सव संबंधित थीम "कार्यस्थल में समावेशन : महामारी के बाद की दुनिया में चुनौतियां और अवसर" का अनुपालन किया।

इसमें संस्थान के विशेष विद्यालय के ऑटिस्टिक विद्यार्थी, ग्रिड क्लीनिक में ओपीडी सेवा में भाग लेने वाले ऑटिज्म वाले बच्चे और 6 वर्ष और उससे अधिक उम्र के ग्रिड स्टाफ के बच्चों ने भाग लिया। सभी नीले रंग के कपड़े पहने थे। इस वर्ष के थीम के अनुरूप, बच्चों के लिए खेलों का आयोजन इस तरह किया गया था कि ऑटिस्टिक बच्चों का सामान्य बच्चों के साथ समावेशन हो सके। उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं थी क्योंकि उन्होंने मिलकर स्लाइम गेम्स में केक बनाए और रेत को विभिन्न आकृतियों के सांचों में डाला। ग्रिड ओपीडी क्लीनिक का एक बच्चा आरव और ग्रिड स्पेशल स्कूल के ऑटिज्म सेक्शन के मन्नत ने व्यक्तिगत रूप से एक लोरी "मेरा चंदा है तू, मेरा सूरज है तू" और "लट्ठे दी चंदर, उत्ते सालेती" गाया। समावेशी नृत्य गतिविधि में छात्रों और बच्चों ने अलग-अलग गीतों की थाप पर नृत्य किए एवं रिंग अ रिंग रोजेज राइम्ज़ गाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्थान के विशेष विद्यालय के प्री वोकेशनल 1 वर्ग के छात्र हर्ष ने "बिजली बिजली कहां" पर एक अत्यंत मनमोहक नृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों को अचंभित कर दिया।

ग्रिड स्टाफ के एक बच्चे ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि "इन बच्चों के साथ काम करने के लिए धैर्य की जरूरत होती है, मेरी मां सहित यहां के सभी शिक्षक सराहनीय कार्य कर रहे हैं।"

संस्थान के विशेष विद्यालय की प्राचार्या डॉ वाणी रत्नम एवं क्लीनिक प्रभारी डॉ रीना जैन ने बधाई दी और कार्यक्रम के आयोजक टीम को धन्यवाद दिए। डॉक्टर रत्नम ने बताया की इस तरह का कार्यक्रम पहली बार संस्थान में आयोजित किया गया है और वे भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। डॉ रीना एवं डॉ रत्नम ने आटिज्म वाले बच्चों को स्वल्पाहार वितरित किए।

सुश्री आशिमा, सुश्री अल्पना एवं सुश्री शीतल कार्यक्रम की समन्वयक थीं। ग्रिड स्कूल स्टाफ के बच्चे साईं, रिया, दीया, वृंदा, माधव आरोही, यसी और अर्णव ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

संस्थान के विशेष विद्यालय के ऑटिस्टिक विद्यार्थी, क्लीनिक के ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे और यहां के स्टाफ के बच्चे विभिन्न गतिविधियों जैसे नृत्य, गीत और खेल में एक टीम के रूप में भाग लेते हुए।

.

आटिज्म वाले बच्चों के माता पिता/ अभिभावक अपने विचार साझा करते हुए।

संस्थान के विशेष विद्यालय की प्राचार्या डॉ वाणी रत्नम अपने विचार साझा करते हुए
क्लीनिक प्रभारी डॉ रीना जैन बच्चों से मिलते हुए।

डॉ वाणी रत्नम, डॉ रीना जैन एवं सुश्री वंदना के साथ ग्रिड स्टाफ, विद्यार्थी गण और ग्रिड स्टाफ के बच्चे।